

# होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की हत्या के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

होली पर सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित होटल पर बदमाशों ने फायरिंग की थी

बीदासर, (निसं)। होली के पर्व पर सोमवार की मध्य रात्रि को कस्बे के सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित द रॉयल ट्रीट रेस्टोरेंट एंड होटल पर बोलेरो कैम्प में सवार होकर आए बदमाशों ने होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की गोलियों से भूतकर की गई निर्मम हत्या के बाद एक्शन मोड में आई पुलिस ने गुरुवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि मुन्नीराम की हत्या में षडयंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में श्रीदुर्गराज तहसील के घाबरिया अमृतवासी निवासी छात्र नेता सुभाष गोदारा, पुलिस थाना छापरे के गांव जोगलिया निवासी लेखराम कड़वासरा और मोमासर निवासी मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी ने बताया कि अनुसंधान के दौरान सामने आया है कि मुन्नीराम की हत्या से पूर्व मनोज मेघवाल ने होटल में खाना खाने के बहाने मुन्नीराम की हर गतिविधियों की रैकी कर शूटर धनाराम व लखराम को जानकारी दी। सुभाष व लेखराम हत्या की षडयंत्र में शामिल थे। उक्त आरोपी घटना के बाद हरियाणा भागने की फिराक में थे, जिनको हरियाणा बॉर्डर पर ही पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों के सम्पूर्ण नेटवर्क का दौरान अनुसंधान पीसी रिमांड लिया जाकर खुलासा किया जाएगा। घटना के रैकी में शामिल मनोज मेघवाल को पुलिस ने बापद गिरफ्तार किया है। इसके अलावा घटना के



आरोपियों के घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया।

नामजद व घटना के षडयंत्र में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की विशेष टीम में आरोपियों की तलाश सर्गामी से कर रही है। मुन्नीराम की हत्या की योजना कई दिनों से चल रही थी। पहले भी मुन्नीराम की हत्या का प्रयास किया गया था और दूसरी को भी हत्या करने की सुपारी दी गई थी, जिसकी पुष्टि दौरान अनुसंधान की जाएगी। हत्या की योजना हत्या से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी। उन्होंने बताया कि षडयंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से निरंतर हत्या की योजना बना रहा था। वहीं आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद मामले की जांच कर रहे बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर गुरुवार की देर शाम

सुजानगढ़ न्यायालय में पेश किया है, जहां न्यायालय ने तीनों आरोपियों को पांच दिन के पीसी रिमांड पर भेजा है। हत्या के नामजद आरोपी के ठिकानों पर प्रशासन की दबिश :- मुन्नीराम हत्याकांड के नामजद आरोपी एचएस देवीसिंह खेरिया के वाड चार स्थित मकान पर गुरुवार की शाम नगर पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पहुंचकर पालिका की बिना अनुमति के निर्माणधीन दो मंजिला मकान को सीज कर दिया तथा घर के बाहर मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इससे पूर्व कस्बे के पुराना बस स्टैंड पर एक आवासीय स्वीकृत पर बने दो मंजिला बने खुड़िया

होटल को व्यवसायिक गतिविधियों के चलते पालिका ने सीज किया। सीज कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर पुलिस की भारी जाबता तैनात रहा। कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी, तहसीलदार अमरसिंह बोचला, ईओ पूनमचंद नाई, बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह, सांडवा थानाधिकारी चौधमल वर्मा, छापरे थानाधिकारी इंद्रलाल सहित पालिका के सफाईकर्मी उपस्थित थे। कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ गई, उपस्थित भीड़ ने पुलिस और प्रशासन जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अमरसिंह बोचला ने बताया कि

■ हत्या में षडयंत्र रचने व रैकी करने के आरोप में छात्र नेता सुभाष गोदारा, लेखराम कड़वासरा और मनोज मेघवाल को गिरफ्तार किया

■ 'हत्या की योजना वारदात से पांच दिन पूर्व ही बना ली गई थी, षडयंत्र में शामिल देवीसिंह लगभग एक साल से हत्या की योजना बना रहा था'

## अलवर : सरकारी स्कूल में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ी



खटीक समाज युवा मंडल ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के चिमरावली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती माता की मूर्ति तोड़ने का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को खटीक समाज युवा मंडल के सदस्यों ने स्कूल परिसर में प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। युवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि मंडल ने 26 जनवरी को विद्यालय को मूर्ति भेंट की थी और 20 फरवरी को विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई थी। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी की रात कुछ युवकों ने हथौड़े से मूर्ति के हाथ-पैर तोड़ दिए। सुबह प्रिंसिपल मंजू सिंह ने घटना के बारे में जानकारी दी।

समाज के धीरज का कहना है कि गांव के कुछ युवकों ने मूर्ति तोड़ने की बात स्वीकार की और दूसरी मूर्ति लगाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई, वहीं बच्चों के द्वारा खेलेले समय मूर्ति टूटने की बात बताकर मामले को दबाने की कोशिश की गई। मूर्ति तोड़े जाने और बिना सहमति दूसरी मूर्ति लगाए जाने के विरोध में खटीक समाज युवा मंडल के सदस्य व ग्रामीण स्कूल पहुंचे और जमकर विरोध जताया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और नई मूर्ति विधि-विधान से स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शन

के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई।

403 विद्यार्थियों को मिलेगी उपाधि : जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह बीस मार्च को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में आयोजित किया जाएगा। कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीएस जैतावत ने बताया कि विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े के आतिथ्य में संपन्न होगा।

## जोधपुर : हैड कांस्टेबल की मौत के बाद होली स्नेह मिलन स्थगित

जोधपुर, (कासं)। बोरानाडा थाने में तैनात हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की मौत के बाद गुरुवार को रातानाडा पुलिस लाइन में आयोजित होने वाला पुलिस का होली स्नेह मिलन स्थगित कर दिया गया है। हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की बुधवार देर रात सालावास रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है, जिसके चलते गुरुवार को आयोजित होने वाले पुलिस होली स्नेह मिलन कार्यक्रम को स्थगित कर

■ हैड कांस्टेबल भंवर सिंह की रेलवे लाइन के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई थी

दिया गया। जानकारी के मुताबिक भंवर सिंह पुत्र नारायण सिंह मूल रूप से बिलाड़ा के संभाडिया निवासी थे, वर्तमान में जोधपुर के लक्ष्मण नगर में रह रहे थे। बुधवार रात उनका शव सालावास रेलवे ट्रेक पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। टक्कर इतनी भीषण

थी कि उनके पैर कटकर शरीर से अलग हो गए। घटना स्थल के पास ही उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। भंवरसिंह का हाल ही में कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति हुआ था। नए पद की जिम्मेदारियों के बीच इस आकस्मिक हादसे ने उनके परिवार और साथी पुलिसकर्मियों को झकझोर कर रख दिया है। हादसे की गंभीरता और शोक को देखते हुए जोधपुर पुलिस कमिश्नरट ने संवेदनशीलता दिखाई है। गुरुवार को आयोजित होने वाला पारंपरिक होली स्नेह मिलन समारोह तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया।

## अलवर के देसूला के बदमाशों ने शराब ठेकेदारों से रंगदारी मांगी

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अपराधियों के हासले इतने ज्यादा बुलंद हो चुके हैं कि वे अब शराब ठेकेदारों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। बदमाश अब शराब ठेकेदारों से भी रंगदारी मांगने में लगे हुए हैं।

मामले के अनुसार अलवर के उद्योग नगर स्थित देसूला गांव में एक परिवार पर दर्जनों मुकदमे उद्योग नगर थाने में दर्ज हैं। यह परिवार शराब तस्करी सहित सट्टा सहित अनेकों प्रकार के दो नम्बरी कामों में व्यस्त है, जिनके विरुद्ध अनेकों मामले लम्बित चल रहे हैं। यह परिवार अब उद्योग नगर क्षेत्र स्थित शराब ठेकेदारों को भी अपना निशाना

बनाने में लगा हुआ है शराब ठेकेदार ने आरोप लगाया कि देसूला निवासी जगदीश नामक बदमाश ने उन पर अवैध ब्रांच के लिए दबाव बनाया, लेकिन ठेकेदारों ने इसे गैर कानूनी बताते हुए मना कर दिया तो उन्होंने उक्त शराब ठेकेदारों से पचास हजार की मंथली मांगी। इधर जब इन लोगों के बारे में ग्रामीणों से जानकारी मांगी तो देसूला के निवासियों ने बताया कि यह परिवार अपराधी किस्म का है। इनका एक लड़का आर्षीपूत खिलाला है और दो भाई राठी फैकटरी के पास सड़ै की खाईवाली का काम कर रहे हैं। इन पर अनेक मामले दर्ज बताए गए हैं, अगर

इनकी पुलिस हिस्ट्री निकाली जाए तो सभी मामले सामने आ सकते हैं। इन लोगों के कारनामे पुलिस से छिपे नहीं हैं, लेकिन मिलीभगत के चलते आज तक इनके अतिक्रमण कार्यों पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इन लोगों ने क्षेत्र में इतना ज्यादा खौफ पैदा कर रखा है कि आम आदमी इनके अपराधों के बारे में कुछ बोलने से भी डरता है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से अपील की है कि इन बदमाशों के अपराधों पर अंकुश लगाए, ताकि क्षेत्र का आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस करे।

## चादर महोत्सव का शुभारंभ करेंगे मोहन भागवत

जैसलमेर, (निसं)। राजस्थान के जैसलमेर में 6 से 8 मार्च को तीन दिवसीय चादर महोत्सव और दादागुरु इकतीसा पाठ का आयोजन होगा। चेन्नई से जैसलमेर आरही स्पेशल ट्रेन संख्या 06005 से शुक्रवार सुबह लगभग 2 हजार श्रद्धालु महोत्सव में शामिल होंगे। तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत करेंगे। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को भागवत संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 7 मार्च को विश्वभर में एक साथ 1 करोड़ 8 लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का आम आदमी अपने को सुरक्षित महसूस करे।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, विद्या भारती तथा अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सहभागी होंगे। कार्यक्रम गच्छाधिपति आचार्य मणिप्रभ सूरी की पावन निश्रा में सम्पन्न होगा। इस विराट महोत्सव के प्रेरणास्रोत पूज्य आचार्य जिनमनोज सागर हैं। चादर महोत्सव समिति के चेयरमैन महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढा एवं संयोजक जीतो के पूर्व चेयरमैन तेजराज गोलेछा हैं। आयोजन में विभिन्न भारतीय परंपराओं के करीब 400 संतों की उपस्थिति होगी। करीब 20 हजार श्रद्धालुओं को तीन दिवसीय कार्यक्रम में मौजूदगी रहेगी।

## कोटा : नहर में डूबे एक युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके के डीसीएम क्षेत्र में नहर में नहने गये दो दोस्त तेज बहाव में बह गये। मौके पर मौजूद लोगों ने एक को तो बचा लिया, लेकिन दूसरा पानी में डूब गया और तेज बहाव में बह गया। नहर में युवक के डूबने की सूचना पर पुलिस व नगर निगम की गौताखोर टीम मौके पर पहुंची और नहर में बह गये युवक के शव को बरामद कर नहर से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि नहर में नहाते समय एक युवक के तेज बहाव में डूबने की

■ दो दोस्त पानी में बह गये थे, एक को बचा लिया था

सूचना मिली। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गौताखोर टीम को बुलाकर पानी में बहे युवक की तलाश शुरू की और युवक का शव को बरामद कर नहर से बाहर निकाला गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक युवक की पहचान हुनुमंतखेड़ा निवासी रघुन कुमार के रूप में हुई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करारक शव परिजनों को सौंप दिया है।

## छात्र की मौत को लेकर परिजनों ने धरना दिया

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में करंट की चपेट में आने से बुधवार को एक छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों व समाज के लोगों ने होस्टल संचालक सहित केडीए को दोषी ठहराया। होस्टल के बाहर मृतक छात्र के परिजनों व समाज के लोगों द्वारा धरने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की। कुन्हाड़ी थानाधिकारी कौशल्या ने बताया कि बूंदी के गोविंदपुरा बाबड़ी निवासी धीरज मीणा जो दोस्तों के साथ होली खेलने के लिये कोटा के लैंडमार्क सिटी आया था। जहां होली खेलने के दौरान करंट की चपेट में आने से छात्र की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि घटना को लेकर बुधवार को मृतक के परिजनों ने करंट की बात बताई थी।

गुरुवार को मृतक के परिजनों के साथ कुछ लोगों ने घटना का जिम्मेदार होस्टल संचालक व केडीए को ठहराते हुए होस्टल के बाहर धरना दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धरने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। मृतक के परिजनों ने रिपोर्ट दी है, परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और मामले में जो भी दोषी पाया जायेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। वहीं मृतक के परिजनों को मुआवजे पर परिजनों व केडीए प्रशासन के बीच शुकवार को वार्ता होगी, जिसके बाद धरने को समाप्त किया गया। मामले में जांच की जा रही है।

## उदयपुर के मेनार में 451 साल पुरानी जीत की याद में बारूद की होली खेली

आधी रात परंपरा निभाने जुटे हजारों लोग, गर्जों तोपें, गोलियों की आवाज से सहमा इलाका

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से 45 किलोमीटर दूर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाइवे पर स्थित मेनार गांव में करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में मेनारिया ब्राह्मण समाज द्वारा बुधवार की रात को परम्परागत रूप में बारूद की होली खेली गई।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर आधी रात का सन्नाटा अचानक धमाकों से टूटता है। ढोल-नगाडों की थाप के बीच लाल पगड़ियां बांधे युवक तलवारें लहराते हुए चौकी की ओर बढ़ते हैं। देखते ही देखते तोपें गरजने लगती हैं, बंदूकों की तड़तड़ाहट आसमान चीर देती हैं और बारूद की गंध से पूरा गांव भर उड़ता है। यह किसी युद्ध का दृश्य नहीं, बल्कि मेवाड़ की शौर्य परंपरा का जश्न है जो हर साल होली के बाद मेनार गांव में दोहराया जाता है। हर साल होलिका दहन के 48 घंटे बाद यानि तीसरी रात (जमरा बीज) को यह आयोजन होता है। बुधवार रात करीब दस बजे से गांव

का माहौल बदलने लगा। पारंपरिक धोती-कुर्ता और कुसुमल साफा पहने लोग धरों से निकले। हाथों में तलवारें और बंदूकें थीं। टुकड़ियां अलग-अलग रास्तों से ललकारते हुए ऑंकारेश्वर चौकी की ओर बढ़ीं।

ढोल-दुंदुभियों की गूंज के बीच गांव के पांच प्रमुख रास्तों की प्रतीकात्मक मोर्चाबंदी की गई। मशालें लेकर पांच दल गांव में निकले और जब वे एक साथ चौकी में लौटे तो वातावरण रोमांच से भर उठा। इसके बाद बारूद की होली की शुरुआत हुई। तोपों में बारूद भरकर धमाके किए गए, बंदूकों से हवाई फायर हुए और तलवारों के साथ प्रसिद्ध गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया। हर धमाके के साथ भीड़ जयकारे लगाती रही। इस आयोजन में महिलाओं की भूमिका भी अहम रही। सिर पर मंगल कलशा रखकर वे बोचरी माता की घाटी तक शोभायात्रा में शामिल हुईं। यहां ऐतिहासिक विजय की शौर्य गाथा पढ़ी गई और मुख्य होली की टंडा करने की परंपरागत रस्म निभाई गई। इसके बाद

महिलाएं वीर रस के गीत गाती हुई जुलूस के साथ ऑंकारेश्वर चौक पहुंची जहां रात का सबसे रोमांचक चरण बारूद की होली शुरू हुआ।

लोक परंपरा के अनुसार मेवाड़ में महाराणा अमरसिंह के समय आसपास के क्षेत्रों में मुगल सेनाओं की कई चौकियां थीं। मेनार गांव के पूर्वी छोर पर भी ऐसी ही एक मुगल छावनी स्थापित थी जिससे स्थानीय लोग परेशान थे। बताया जाता है कि जब वल्लभनगर क्षेत्र में मुगल चौकी पर विजय का समाचार मेनार पहुंचा तो गांव के लोगों ने ऑंकारेश्वर चबूतरा पर सभा की और उसी जोश में मुगल चौकी पर ध्वस्त कर दी गई। उसी जीत की याद में यह परंपरा पीढ़ियों से निभाई जा रही है। इस अनेकौरी परंपरा को देखने के लिए दूर-दराज से लोग मेनार पहुंचे। राजस्थान के कई शहरों के अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में लोग आए। कई प्रवासी ग्रामीण भी विदेशों से गांव लौटे।

प्रतापगढ़, (निसं)। जिले के धर्मोत्तर पंचायत समिति के दुधली टांडा गांव के श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर के पास गुरुवार को लडुमार होली नगाडों की थपथपाहट के साथ डीजे की धूम पर खेली गई। लडुमार होली का आयोजन जो कि लबाना बाहुल्य क्षेत्रों में सदियों से चलता आ रहा है। इस होली में महिलाओं द्वारा पुरुषों पर लडु बरसाए गए पुरुष सहजता के साथ लडु की मार को सहन करते हुए बचाव किया। समाजसेवी दयराथ लबाना ने बताया कि लडुमार होली से पहले शाम ढलने से पूर्व विधि विधान पूर्वक पूजा-ार्चना के साथ पुरुष व महिलाओं द्वारा ललेनो नृत्य नगाडों के थपथपाहट से शुरू किया गया। उसके बाद में लडुमार होली खेली गई। नेजा लट्टने के दौरान पुरुषों को धेर-धेर कर लाटियां बरसाई गईं, जबकि पुरुष अपनी लाटियों के दम पर महिलाओं से लाटियों से बचने का जतन किया। लबाना बाहुल्य गांवों में लडुमार होली के मद्देनजर आस-पास के कई गांवों के समाजजन यहां भागीदारी करने पहुंचे।

दुधली टांडा गांव के नायक मांगीलाल लबाना ने बताया कि गांव के



होली में महिलाओं ने पुरुषों पर लट्ट बरसाये तो पुरुषों ने सहजता के साथ बचाव किया।

बुजुंगों के अनुसार पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं के समानता का दर्जा बना रहे, इसके लिए बुजुंगों ने इस प्रकार के कार्यक्रम रखे थे। पुराने समय में पुरुष प्रधान समाज में जहां महिलाओं की हर जगह उपेक्षा की जाती थी। इससे महिलाओं में पुरुष समाज के प्रति उत्पन्न कुंठा के भाव को दूर करने के लिए

लडुमार होली का आयोजन किया। इसके माध्यम से महिलाओं की सालभर की कुंठाएं को होली के पावन पर्व में खत्म करने के उद्देश्य को लेकर भाभी, काकी, अन्य महिलाएं अपने देवर, नजदीकी रिश्तेदारी, अन्य जनों को भी मारेगी, महिलाएं भी अपने प्रतिशोध होली के माध्यम से मन में भेदभाव को

मिटायी गया। इस दिन पुरुष खुशी-खुशी महिलाओं से मार खाकर उनकी सालभर की भरी कुंठाओं और गिले शिकवों को दूर किया। इस खेल को खेलने से पूर्व भगवान शिव व पार्वती के सुखमय जीवन के गीतों का गायन किया। मांगीलाल लबाना ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान

■ होली में महिलाओं द्वारा पुरुषों पर लट्ट बरसाए गए, पुरुष सहजता के साथ लट्ट की मार को सहन करते हुए बचाव किया

शिवशंकर के वरदान के कारण यह आयोजन लबाना समाज में खेला जाता है। चैर द्वारा बेल लेते जाना व नायक की मृत्यु कर देने पर जब पार्वती व शिवशंकर भगवान विचरण कर रहे थे। उस समय नायक की पत्नी रो रही थी। उस समय पार्वती व शिवशंकर भगवान को नायक की पत्नी रोने पर दया आने पर उन्होंने कहा कि इसको दण्डी मारकर भगाने को लेकर नायक की पत्नी ओको शिवशंकर ने वरदान दिया था और उसके पति को जिवित कर देने को लेकर लडुमार होली का आयोजन चोर को भगाने को लेकर किया जा रहा है। इस पर्व को स्थानीय भाषा में नेजा लुटना भी कहा जाता है। हजारों की संख्या में आसपास के ग्रामीणजन देखने को पहुंचे।